an>

Title: Regarding non-payment of full financial assistance to the farmers of Jalaun Parliamentary Constituency of Uttar Pradesh.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) : अध्यक्ष महोदया, मेरे लोक सभा क्षेत्र जालौन के गरौठा में अभी ओलावृÂिट से जो वहां के किसानों के फसलों की तबाही हुई है, उसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा जो चेक बांटे जा रहे हैं, उनमें यह हम लोगों के संज्ञान में लाया गया है कि हमारे जालौन जिले के ग्राम शेखपुर और हदरूख में दो भाइयों के बीच किसी को सात हजार रुपये के चेक दिए जा रहे हैं, तो किसी को अठारह हजार रुपये के चेक दिए जा रहे हैं। वहां तेखपाल अपनी मनमानी के हिसाब से चेक बांट रहे हैं। वास्तविकता यह है कि हमारे जनपद झांसी में जो गरौठा क्षेत्र है, वहां किसी किसान को चार हजार रुपये के, किसी को छः हजार रुपये के, किसी को सात हजार रुपये के चेक बांटे जा रहे हैं। वहां तेखपाल अपनी मनमानी के हिसाब से चेक बांट रहे हैं।...(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ) : महोदया, राज्य सरकार अपने स्तर से किसानों को पैसा बांट रही है। केन्द्र सरकार इसके लिए राज्य सरकार को पैसा दे।...(व्यवधान)

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा: महोदय, अगर उत्तर प्रदेश सरकार के पास पैसा नहीं है तो उसे केन्द्र सरकार से पैसा मांगना चाहिए।...(व्यवधान) इसका बिना सर्वे कराए तेखपाल अपने मनमाने तरीके से ये चेक बांट रहे हैं।...(व्यवधान) मेरा कहना यह है कि अगर दो भाइयों की जिंस एक है तो दोनों को बराबर राशि के चेक मिलने चाहिए।...(व्यवधान)

महोदया, इसलिए मैं केन्द्र सरकार से कहना चाहता हूं कि राज्य में जो मशीनरी काम कर रही है, वह बुरी तरह से फेल है और वह मनमाने तरीके से चेक बांट रही है।...(व्यवधान) मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि इसकी विशेÂा तौर से जांच की जाए और किसानों को जो मुआवज़ा दिया जाना चाहिए, वह पूति एकड़ के हिसाब से दिया जाना चाहिए।...(व्यवधान) उत्तर प्रदेश में जो किसानों के साथ दुर्व्यवहार करके और मनमाने ढंग से चेक दिए जा रहे हैं, उसे बंद किया जाना चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री मुलायम सिंह यादव (आज़मगढ़) : अध्यक्ष महोदया, केन्द्र सरकार से इसके लिए पैसा नहीं दिया गया है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं इसे बाद में देखूंगी। प्लीज़, को-ऑपरेट करें। बैठिए।

â€¦(व्यवधान)